व्याख्यान - 5

स्नातक तृतीय खंड

## मैथिली कथा साहित्यक विकास और कुमार गंगानंद सिंह

कुमार गंगानंद सिंह मैथिलीक आरम्भिक कथाकारक परम्परामे श्रेष्ठ कथाकार भेलाह। हिनक कथा मैथिली कथा साहित्यकेँ नव दिशा प्रदान कएल। मनुष्यक मोल, बिहाड़ि, आमक गाछी, बिहाड़ि आदि हिनक प्रमुख कथा अछि। गंगानंद सिंहक रचना आधुनिक प्रगतिशील विचार धाराक द्योतक अछि। हिनक विवाह कथामे बाल विवाहक दुष्परिणाम केँ देखाओल गेल अछि। कथनायक कृष्णकान्त बाल विवाहक विरोधी छथि तथापि ओ विवश भेल प्रतीत होइत छथि। तहिना हिनक मनुष्यक मोल कथाक प्रसंग डॉ० भीमनाथ झा कहैत छथि - " ओहि कथाक उत्कृष्ट शिल्प, सुगठित कथ्य, सामाजिक यथार्थक जीवन्त चित्रण, भाषा प्रवाह, रोचकता आदि देखबा योग्य अछि ओ एहि आद्यकथाकारक सामर्थ्यक संगहि मैथिली भाषाक सामर्थ्य केँ सेहो उद्घाटित करैत अछि। हिनक ~~बिहाड़ि~~ 'बिहाड़ि' कथा सेहो मैथिलीक श्रेष्ठ कथाक श्रेणीमे अबैत अछि। तत्कालीन समाजमे जातिगत व्यवस्थामे होमयवला परिवर्तनगामी घटनाक चित्रांकन कथाक माध्यमसँ कयल

2

अछि। हिनक कथाक भाषा सरल, सहज ओ विनोदपूर्ण, जुड़ला जाइत अछि। कथासभ मे कतेको ठाम लोकभाषाक प्रयोग सेहो भेल अछि।

हिनक बिदाइ कथा सेहो मैथिलीक श्रेष्ठ कथाक श्रेणीमे अबैत अछि। तत्कालीन समाज मे जातिगत व्यवस्था मे होमयवला परिवर्तनगामी घटनाक चित्रांकन कथाक माध्यम सँ करल गेल अछि। एहि कथाक प्रसंग गीश जी लिखैत छथि —

"बिदाइ मे ग्राम्य जीवनक परिवर्तनशील सामाजिक वातावरणक बड़ मार्मिक वर्णन भेल अछि। जकरा बहुत पश्चात् योगेश्वर, मायानन्द ओ ललित, अपन अपन उपन्यासमे चित्रित करल, तकरा ओ बहुत पूर्व अपन बिदाइमे प्रस्तुत कए चुकल छलाह।"

क्रमशः

डॉ० पंकज कुमार
अतिथि शिक्षक